परिशिष्ट

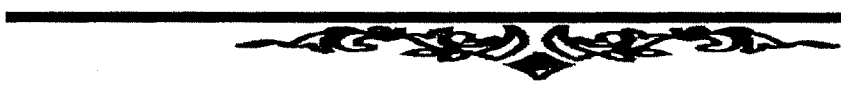

Mobile 9835071761 — Bihar
9810964617 दिल्ली

Dr. Padmasha Jha
Ex. Member
Bihar Legislative Council
University Professor
Department of History
B. R. A. Bihar University, Muzaffarpur, Bihar
Member
All India Congress Committee
Chairman
Bihar Women Teacher's Federation
Vice President
Bihar Pradesh Congress Committee

Muzaffarpur Address :
Prof. Quarter No. - 1
University Campus
MUZAFFARPUR (BIHAR)
Tel 2 247825, 2 212775

Patna Address :
C/103, Saket Vihar Apartment
Khajpura, Baily Road,
PATNA (BIHAR), INDIA
Tel. : ~~232564~~ 2592564

Date.................................200

प्रिय सुकेशिनी जी,

शुभकामनाएँ।

आपका पत्र किंचित देर से प्राप्त हुआ। बाद में मेरे विभागाध्यक्ष के द्वारा भी पत्र मिला। धन्यवाद।

आप शोध करना चाहती हैं यह जानकर प्रसन्नता हुई। मेरी स्वीकृति तथा अपेक्षित सहयोग दोनों ही आपको प्राप्त है। मेरे एकाध और कथा संग्रह प्रकाशित हैं उनमें एक कथा संग्रह इस पत्र के तुरत बाद आपको पार्सल कर रही हूँ - साथ में मेरा एक काव्य-पुस्तक। क्योंकि मूलतः मैं कवयित्री हूँ और कविता के साथ साथ गद्य लेखन कथा लेखन भी जारी रखा है।

आपने चूंकि शोध अभी तुरत प्रारम्भ ही किया है - अतः इन कहानियों को पढ़ें - एवं विशेष बात जो मैंने स्वयं अपनी कहानियों से प्राप्त किया है - वह है कि मेरी कथाओं का मुख्य पात्र अक्सर महिलायें होती हैं - मध्यम वर्ग की महिलायें - समाज और परिवार में अपनी

UNIVERSITY KOLHAPUR

पहचान बनाने के लिये संघर्ष करती हुई — हर हाल में अपनी जिजीविषा बनाये रखने के लिये कटिबद्ध! यह जानबूझ कर नहीं अनजाने में हो [illegible]

[illegible]

का [illegible]

दौरा करना पड़ सकता है। कभी आयें तो स्वागत है। मैं यही आश्वासन दे सकती हूँ कि किसी तरह की दिक्कत आपको नहीं होगी — न [illegible] और न अध्ययन सम्बन्धी।

मैं यह पत्र दिल्ली से लिख रही हूँ। मैंने इतना लम्बा पत्र बहुत दिनों से किसी को नहीं लिखा — आपके उत्साह की संप्रेषण में यह लिख रही हूँ। मेरा थोड़ा शैक्षिक परिचय तो आपको पुस्तक के पिछले पृष्ठ से प्राप्त होगा — बाकी विस्तार से तथा फोटो बाद में। पत्रोत्तर उसी पुराने पते पर देंगी। आइन्दा टिकट लगा लिफाफा न भेजें।

स्नेह

पद्मजा

१८ एप्रिल २००४

प्रिय सुकेशिनी परिख

स. नमस्कार

तुमचे २८.१२.२००३ चे पत्र आता माझ्या हाती आले. याचे कारण माझे वास्तव्य बंगलोर येथे सध्या नाही. तिथे येणारी पत्रे माझ्याकडे पाठवण्यात येतात परंतु वेळ लागतो. त्यामुळे उत्तरास उशीर होत आहे तरी क्षमस्व.

तुमचा 'परिभाषा' संग्रह आवडला व त्यातील तुमची तुलनात्मक अभ्यास वरची प्रस्तावना हे वाचून आनंद झाला. तुमच्या लेखनी अशा प्रकारची गरज होती आहे हे वाटल्याचे. शक्य असेल तो मी जरूर करेन.

पत्रव्यवहार कृपया पुढील मुंबईच्या पत्त्यावर करावा.

पत्राबद्दल आभार.

शुभेच्छा,

सानेया

१३ सी, मधुबन
जन. ज. भोसले मार्ग
मुंबई ४०००२१